लक्ष्य®

REET Mains 2023 सॉल्वड पेपर सहित

1100+ महत्त्वपूर्ण

RBSE, NCERT की पुस्तकों के महत्त्वपूर्ण फैक्ट्स के साथ नवीनतम संस्करण

# REET MAINS

# III ग्रेड अध्यापक

## मुख्य भर्ती परीक्षा

लेवल-2 (कक्षा 6 से 8) हेतु


मनु प्रकाशन प्रा. लि. जयपुर

कांति जैन
डॉ. महावीर जैन


## भाग-3

**REET Mains हेतु यह भी पढ़ें**
- भाग-1 : राजस्थान सामान्य ज्ञान, राजस्थानी भाषा एवं शैक्षिक परिदृश्य
- भाग-2 : राजस्थान सामयिक विषय, शैक्षणिक मनोविज्ञान व सूचना तकनीकी

(दोनों भाग लेवल-1 व 2 के लिए कॉमन)

# हिन्दी

## शैक्षणिक रीति विज्ञान सहित
(शिक्षण विधियां)



LAKSHYA

Bookbazzi.in

लक्ष्य®

# REET MAINS भाग-3

# III ग्रेड अध्यापक

## लेवल 2 ( कक्षा 6-8 ) भर्ती परीक्षा

# हिन्दी

## शैक्षणिक रीति विज्ञान सहित ( शिक्षण विधियाँ )


**लेखक**

- डॉ. महावीर जैन
- कान्ति जैन
- अंशुल जैन
- डॉ. शिवानी जैन


**विद्यार्थियों हेतु सूचना**

- लक्ष्य की हमेशा से कोशिश रही है कि हम हर नई पुस्तक में लेटेस्ट पाठ्यसामग्री का समावेश करें। हमारा प्रयास रहता है कि पुस्तक का प्रेजेंटेशन इस तरह हो कि विद्यार्थियों को याद करने व रिवीजन करने में आसानी हो।
- इस संदर्भ में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। कॉल करें 98299-27737 पर (सोम-शनि, 11-6 PM)


ज्ञान अनन्त LAKSHYA

लक्ष्य®

मनु प्रकाशन ( प्रा. ) लिमिटेड, जयपुर


Bookbazi.in

# विषय-सूची


- REET Mains (III Grade) Level – II हिंदी [ राजस्थान सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक परिदृश्य ] भर्ती परीक्षा, 2022 ( हल प्रश्न पत्र )। आयोजन: 26 फरवरी, 2023 (Shift-II) ..... i-vii


## हिन्दी


- हिन्दी वर्णमाला ज्ञान ..... 1
- संज्ञा ..... 10
- सर्वनाम ..... 14
- विशेषण ..... 17
- क्रिया ..... 27
- अव्यय ..... 32
- लिंग, वचन, काल, कारक, वाच्य एवं विकारी शब्दों का रूपांतरण ..... 37
- शब्द प्रकार : उत्पत्ति एवं रचना के आधार पर ..... 53
- एकार्थी शब्द ..... 62
- अनेकार्थक शब्द ..... 69
- विलोम / विपरीतार्थक शब्द / प्रतिलोम ..... 72
- पर्यायवाची शब्द ..... 78
- वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द ..... 87
- समश्रुति भिन्नार्थक शब्द ( शब्द-युग्म ) ..... 101
- संधि एवं संधि-विच्छेद ..... 112
- समास ..... 129
- उपसर्ग ..... 146
- प्रत्यय ..... 154
- शब्द शुद्धि ..... 161
- वाक्य शुद्धि ..... 169
- वाक्य विचार ..... 180
- विराम चिह्न ..... 192
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ ..... 200
- शब्द शक्ति ..... 226
- अपठित गद्यांश ..... 235
- अपठित पद्यांश ..... 240
- अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दों का हिन्दी रूपान्तरण ..... 244-253


## हिन्दी शिक्षण विधियाँ


- हिन्दी भाषा की शिक्षण विधियाँ ..... 254
- भाषायी कौशल ( सुनना, बोलना, पढ़ना व लिखना ) एवं भाषायी कौशलों का विकास ..... 278
- हिन्दी भाषा शिक्षण के उपागम ..... 297
- हिन्दी शिक्षण की चुनौतियाँ ..... 303
- हिन्दी शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री एवं उनका उपयोग ..... 308
- हिन्दी शिक्षण की मूल्यांकन विधियाँ ..... 315
- निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण ..... 329-332


Bookbaazi.in

# Syllabus

## राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड , जयपुर

**राजस्थान उच्च प्राथमिक विद्यालय अध्यापक सीधी भर्ती प्रतियोगी परीक्षा का विस्तृत पाठ्यक्रम**

### परीक्षा की समयावधि एवं अंक-भार

| क्र.सं. | संक्षिप्त विवरण |
|---|---|
| 1. | परीक्षा 300 अंकों की होगी। |
| 2. | परीक्षा के लिए एक प्रश्न-पत्र होगा। |
| 3. | प्रश्न-पत्र की समयावधि 02 घण्टे 30 मिनट होगी। |
| 4. | प्रश्न-पत्र में कुल 150 प्रश्न होंगे। समस्त प्रश्न बहुविकल्पी होंगे। |
| 5. | उत्तरों के मूल्यांकन में नकारात्मक अंकन होगा। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए उस विशिष्ट प्रश्न के लिए विहित अंकों का एक तिहाई भाग काटा जाएगा। यहाँ गलत उत्तर से अभिप्राय अशुद्ध उत्तर अथवा एक से अधिक उत्तर होना है। |

### पाठ्यक्रम विवरण और विस्तार

परीक्षा के लिए प्रश्न-पत्र का पाठ्यक्रम विवरण और विस्तार ऐसा होगा जो प्राधिकृत अभिकरण द्वारा समय-समय पर विहित किया जाएगा और अभ्यर्थियों को समय के भीतर ऐसी रीति से, जो प्राधिकृत अभिकरण उचित समझे, सूचित किया जाएगा।

### परीक्षा के लिए विषय एवं अंक-भार, अध्यापक, लेवल - द्वितीय (कक्षा 6 से 8 तक के लिए)

| क्र.सं. | विवरण | अंक-भार |
|---|---|---|
| 1. | **राजस्थान का भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक ज्ञान, राजस्थानी भाषा** | 80 अंक |

#### भूगोल

- राजस्थान का भौगोलिक स्वरूप
- मानसून तंत्र एवं जलवायु
- अपवाह तंत्र- झीलें, नदियाँ, बाँध, एनीकट, जल संरक्षण विधियाँ एवं तकनीकियाँ
- राजस्थान की वन-संपदा
- वन्य जीव-जन्तु, वन्य जीव संरक्षण एवं अभयारण्य
- मृदाएँ एवं मृदा संरक्षण
- राजस्थान की प्रमुख फसलें
- जनसंख्या, जनसंख्या-घनत्व, साक्षरता और लिंगानुपात
- राजस्थान की जनजातियाँ एवं जनजातीय क्षेत्र
- धात्विक एवं अधात्विक खनिज
- राजस्थान के ऊर्जा संसाधन: परम्परागत एवं गैर-परम्परागत
- राजस्थान के पर्यटन स्थल
- राजस्थान में यातायात के साधन

#### इतिहास एवं संस्कृति

- राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएँ: कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बालाथल और बैराठ इत्यादि।
- राजस्थान की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ, प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था इत्यादि।
- राजस्थान की स्थापत्य कला: किले, स्मारक, बावड़ी एवं हवेलियाँ इत्यादि।
- राजस्थान के मेले, त्योहार, लोक कला, लोक संगीत, लोक नाट्य एवं लोक नृत्य
- राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा एवं विरासत
- राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, प्रमुख संत एवं लोक देवता
- राजस्थान के महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल
- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व
- राजस्थान के वस्त्र एवं आभूषण
- राजस्थान की चित्रकलाएँ एवं हस्तशिल्प
- 1857 की क्रांति में राजस्थान का योगदान, राजस्थान में जनजाति एवं किसान आंदोलन
- प्रजामण्डल एवं राजस्थान का एकीकरण

#### राजस्थानी भाषा

- राजस्थान की क्षेत्रीय बोलियाँ
- प्रमुख राजस्थानी कृतियाँ
- प्रमुख राजस्थानी साहित्यकार
- राजस्थानी संत साहित्य एवं लोक साहित्य

2. **राजस्थान का सामान्य ज्ञान, शैक्षिक परिदृश्य, निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सामयिक विषय** — 50 अंक

#### राजस्थान का सामान्य ज्ञान

- राजस्थान के प्रतीक चिह्न
- राजस्थान में राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाएँ
- राजस्थान के प्रमुख अनुसंधान केन्द्र
- राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थल
- राजस्थान के प्रमुख खिलाड़ी
- राजस्थान के प्रसिद्ध नगर एवं स्थल इत्यादि।
- राजस्थान के प्रमुख उद्योग।
- राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था
- राजस्थान में जन कल्याणकारी योजनाएँ।

#### शैक्षिक परिदृश्य

- शिक्षण अधिगम के नवाचार।
- राज्य में केन्द्र एवं राजस्थान सरकार की विद्यार्थी कल्याणकारी योजनाएँ एवं पुरस्कार।
- विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित समितियाँ।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में।

#### निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम

- निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009: प्रावधान एवं क्रियान्विति
- राजस्थान निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार नियम, 2011
- राजस्थान के मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश।

Bookbaazi.in

**सामयिक विषय**

- राजस्थान की सम-सामयिक घटनाएँ।
- राज्य की अभिनव विकास योजनाएँ एवं क्रियान्विति
- अन्य सम-सामयिक विषय।

**3. संबंधित विद्यालय विषय का ज्ञान** **120 अंक**

**हिन्दी:-**

- हिन्दी वर्णमाला ज्ञान
- शब्द विचार (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय)
- विकारी शब्द - लिंग, वचन, काल, कारक, वाच्य एवं विकारी शब्दों का रूपांतरण
- शब्द प्रकार -
  - (i) उत्पत्ति के आधार पर
  - (ii) रचना के आधार पर
  - (iii) अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, विलोम, पर्यायवाची, वाक्यांश के लिए एक शब्द, युग्म-शब्द इत्यादि)
- संधि, समास, उपसर्ग एवं प्रत्यय के प्रकार एवं उदाहरण
- शब्द शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि के प्रकार एवं उदाहरण
- वाक्य विचार - वाक्य के अंग, प्रकार, रूपांतरण इत्यादि
- विराम चिह्न - प्रकार एवं प्रयोग
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- शब्द शक्ति
- अपठित गद्यांश के भाव एवं व्याकरण से संबंधित प्रश्न
- अपठित पद्यांश के भाव एवं व्याकरण से संबंधित प्रश्न
- पारिभाषिक शब्दावली

**4. शैक्षणिक रीति विज्ञान:-** **20 अंक**

**हिन्दी:-**

- हिन्दी भाषा की शिक्षण विधियाँ
- भाषायी कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना) एवं भाषायी कौशलों का विकास
- हिन्दी भाषा शिक्षण के उपागम
- हिन्दी शिक्षण में चुनौतियाँ
- हिन्दी शिक्षण अधिगम सहायक सामग्री एवं उनका उपयोग
- हिन्दी शिक्षण की मूल्यांकन विधियाँ
- निदानात्मक एवं उपचारात्मक शिक्षण

**5. शैक्षणिक मनोविज्ञान:-** **20 अंक**

- शैक्षिक मनोविज्ञान: अर्थ, क्षेत्र एवं कार्य
- बाल विकास: अर्थ, बाल विकास के सिद्धान्त एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक
- बाल विकास में वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव
- व्यक्तित्व: संकल्पना, प्रकार, व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक और व्यक्तित्व मापन
- बुद्धि: संकल्पना, विभिन्न बुद्धि सिद्धान्त एवं मापन
- अधिगम का अर्थ एवं अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक
- अधिगम के विभिन्न सिद्धान्त
- अधिगम की विभिन्न प्रक्रियाएँ
- विविध अधिगमकर्ता के प्रकार: पिछड़े, विमंदित, प्रतिभाशाली, सृजनशील, विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी इत्यादि।
- अधिगम में आने वाली कठिनाइयाँ
- अभिप्रेरणा एवं अधिगम में इसका प्रभाव
- समायोजन की संकल्पना, तरीके एवं समायोजन में अध्यापक की भूमिका

**6. सूचना तकनीकी:-** **10 अंक**

- सूचना प्रौद्योगिकी के आधार
- सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण (टूल्स)
- सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग
- सूचना प्रौद्योगिकी के सामाजिक प्रभाव

Bookbaazi.in

# REET Mains Level – II

## विषयः हिन्दी [राजस्थान सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक परिदृश्य ]

## भर्ती परीक्षा, 2022 ( हल प्रश्न पत्र )

**आयोजन**
26 फरवरी, 2023
Shift-II

1. बीकानेर राज्य प्रजा परिषद् की स्थापना कब हुई?
(1) 1936 में (2) 1940 में
(3) 1942 में (4) 1945 में (3)

2. 'नरमा' किस फसल की किस्म है?
(1) गेहूँ (2) चावल
(3) कपास (4) मक्का (3)

3. राजस्थान में 1857 की क्रांति की शुरुआत कहाँ से हुई?
(1) नसीराबाद (2) एरिनपुरा
(3) खेरवाड़ा (4) नीमच (1)

4. कृषि विभाग, राजस्थान के मृदा वर्गीकरण के अनुसार 'जिप्सीफेरस' मृदा ..... में पाई जाती है।
(1) अजमेर (2) बीकानेर
(3) कोटा (4) जोधपुर (2)

5. 'हरियाली अमावस्या' का पर्व किस माह में मनाया जाता है?
(1) फाल्गुन अमावस्या (2) श्रावण अमावस्या
(3) भाद्रपद अमावस्या (4) आषाढ़ अमावस्या (2)

6. राजस्थान में कौन-सी मृदा में क्रोमोस्ट्र्स उपमृदाकण का विशेष महत्त्व है?
(1) वर्टीसोल्स (2) एरिडीसोल्स
(3) इन्सेप्टिसोल्स (4) अल्फीसोल्स (1)

7. डूँगरपुर अर बाँसवाड़ा खेतर री मुख्य बोली है-
(1) वागड़ी (2) राठी
(3) शेखावाटी (4) राजावाटी (1)

8. बाँसवाड़ा जिले के सिवानिया, कालाखूँटा, घाटिया क्षेत्र ..... खनिज के भण्डारों के लिये जाने जाते हैं।
(1) टंगस्टन (2) चाँदी
(3) सीसा-जस्ता (4) मैंगनीज़ (4)

9. तेजाजी का जन्म कहाँ हुआ था?
(1) गोगामेड़ी (हनुमानगढ़) (2) खड़नाल (नागौर)
(3) ऊँडुकासमेर (बाड़मेर) (4) भूण्डेल (नागौर) (2)

10. सिलीसेढ़ लेक पैलेस राजस्थान के ..... पर्यटन सर्किट में स्थित है।
(1) वागड़ (2) ढूँढ़ाड़
(3) ब्रज मेवात (4) मेवाड़ (3)

11. कोलायत झील ..... शहर के समीप स्थित है।
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) बीकानेर (4) जयपुर (3)

12. राजस्थानी काव्य में 'डांखळा' नांव सूं नवौ काव्य-रूप चलायनैं घणा चावा हुआ-
(1) किशोर कल्पनाकांत (2) मोहन आलोक
(3) कल्याणसिंह राजावत (4) रघुराजसिंह हाड़ा (2)

13. भरतपुर प्रजामण्डल कहाँ स्थापित किया गया था?
(1) भरतपुर (2) हिसार
(3) रेवाड़ी (4) नदबई (3)

14. राजस्थान में स्वर्ण अयस्क के भण्डार मुख्यतः ..... जिले में अनुमानित किये गये हैं।
(1) बाँसवाड़ा (2) प्रतापगढ़
(3) राजसमंद (4) डूँगरपुर (1)

15. 'बीसलदेव रास' री कथा में नायक-नायिका हैं-
(1) राजा बीसलदेव अर रांणी राजमती
(2) राजा बीसलदेव अर रांणी तारामती
(3) राजा बीसलदेव अर रांणी भागमती
(4) राजा हरिश्चन्द्र अर रांणी तारामती (1)

16. प्रसिद्ध चित्रकार 'साहिबराम' किस चित्रकला शैली से सम्बन्धित हैं?
(1) नाथद्वारा शैली (2) किशनगढ़ शैली
(3) जयपुर शैली (4) बूँदी शैली (3)

17. पश्चिमी राजस्थानी रो चावौ नांव छै-
(1) जयपुरी (2) मालवी
(3) मारवाड़ी (4) मेवाती (3)

18. 'बिज्जी' किस साहित्यकार का उपनाम है?
(1) कन्हैयालाल सेठिया (2) दुरसा आढ़ा
(3) बावजी चतुरसिंह (4) विजयदान देथा (4)

19. किण संत री वाणियां रो संग्रै 'अणभैवाणी' रै नांव सूं जाण्यो जावै?
(1) श्री रामचरणजी (2) चरणदासजी
(3) दीन दरवेश (4) पीपाजी (1)

20. राजस्थान में स्त्रियों द्वारा लहरिया किस अवसर पर पहना जाता है?
(1) श्रावणी तीज पर (2) कजली तीज पर
(3) आखा तीज पर (4) रामनवमी पर (1)

21. 'बोल भारमली' रा रचनाकार हैं-
(1) मेघराज मुकुल (2) नेमनारायण जोशी
(3) महावीरप्रसाद जोशी (4) सत्यप्रकाश जोशी (4)

22. वह नदी जो 'वन की आशा' के नाम से जानी जाती है-
(1) लूनी नदी (2) बनास नदी
(3) माही नदी (4) बाणगंगा नदी (2)

Bookbadi.in

23. एक जैसे नौ महल किस किले में बने हुए हैं?
(1) तारागढ़ (2) चित्तौड़गढ़
(3) नाहरगढ़ (4) गागरोण (3)

24. पर्यटन स्थल 'चाँद बावड़ी' कहाँ अवस्थित है?
(1) धौलपुर (2) भानगढ़
(3) आभानेरी (4) तलवाड़ा (3)

25. रूपारेल नदी का उद्गम होता है-
(1) उदयनाथ (2) रघुनाथगढ़
(3) कुम्भलगढ़ (4) राजोरगढ़ (1)

26. रामसागर वन विहार अभयारण्य राजस्थान के किस जिले में अवस्थित है?
(1) धौलपुर (2) करौली
(3) भरतपुर (4) सवाई माधोपुर (1)

27. राजस्थान के 'आदिवासियों का कुंभ' किस मेले को कहा जाता है?
(1) तेजाजी मेला (2) बेणेश्वर मेला
(3) जैसलमेर मेला (4) पुष्कर मेला (2)

28. मल्लीनाथजी पशु मेला कब प्रारम्भ होता है?
(1) चैत्र कृष्णा एकादशी (2) चैत्र शुक्ला एकादशी
(3) चैत्र कृष्णा नवमी (4) चैत्र अमावस्या (1)

29. राजस्थानी में रामायण रा रचनाकार हैं-
(1) सायाजी (2) दुरसाजी
(3) मेहोजी (4) नैणसी (3)

30. राजस्थान का खींचन गाँव जाना जाता है-
(1) कुरजाँ (2) चरस
(3) साइबेरियन सारस (4) तिलोर (1)

31. जून से सितम्बर माह में वर्षा में अधिकतम भिन्नता ..... जिले में अभिलिखित की जाती है।
(1) जालौर (2) जैसलमेर
(3) बीकानेर (4) श्रीगंगानगर (2)

32. निम्नांकित में से राजस्थान में जायद की फसल की सही अवधि कौन-सी है?
(1) मार्च से जून (2) जून से सितंबर
(3) अक्टूबर से दिसंबर (4) जनवरी से मार्च (1)

33. कुम्भलगढ़ दुर्ग का प्रारम्भिक संस्थापक कौन था?
(1) मान मौर्य (2) राणा लाखा
(3) कुँवर पृथ्वीराज (4) सम्प्रति (4)

34. 'हर री हिंडोळौ' कद गायो जावै?
(1) किणी रै जलम माथै (2) किणी रै विदाई माथै
(3) किणी री मिरतू माथै (4) तिंवार माथै (3)

35. जोधपुर के राठौड़ राजवंश का संस्थापक कौन था?
(1) सीहा (2) सांगा
(3) जोधा (4) बीका (1)

36. निम्नलिखित में से राजस्थान के किस जिले में आई.एस.एफ.आर. 2021 के अनुसार वन क्षेत्र सर्वाधिक है?
(1) अलवर (2) बाराँ
(3) उदयपुर (4) कोटा (3)

37. गणेश्वर सभ्यता किस नदी के किनारे स्थित है?
(1) आयड़ नदी (2) बनास नदी
(3) कांतली नदी (4) कोठारी नदी (3)

38. वर्ष 2011 की जनगणनानुसार राजस्थान में वह जिला, जहाँ शहरी जनसंख्या राज्य में सर्वाधिक रही, है-
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) अजमेर (3)

39. राजस्थान के किस क्षेत्र की रम्मत अधिक प्रसिद्ध है?
(1) जालौर (2) जोधपुर
(3) बीकानेर (4) नागौर (3)

40. भड़ला सोलर पार्क स्थित है-
(1) जैसलमेर (2) जोधपुर
(3) जालौर (4) झालावाड़ (2)

41. निम्नांकित को सुमेलित कीजिए-

| राजस्थान राज्य के प्रतीक चिह्न | वैज्ञानिक नाम |
|---|---|
| a. फूल | i. गजेला बेनेट्टी |
| b. पशु | ii. आर्डेओटिस नाइग्रिसेप्स |
| c. पेड़ | iii. टिकोमेला अण्डुलेटा |
| d. पक्षी | iv. प्रोसोपिस सिनेरारिया |

सही कूट का चयन कीजिए-

| | a | b | c | d |
|---|---|---|---|---|
| (1) | iv | iii | i | ii |
| (2) | iii | i | iv | ii |
| (3) | ii | iv | iii | i |
| (4) | i | ii | iv | iii |

(2)

42. सिरैमिक इलेक्ट्रिकल रिसर्च एण्ड डवलपमेंट सेंटर कहाँ स्थित है?
(1) बीकानेर (2) चूरू
(3) जोधपुर (4) जयपुर (1)

43. राजस्थान के निम्नलिखित पूर्व मुख्य सचिवों को उनके कार्यकाल के अनुसार कालानुक्रम में व्यवस्थित करें।
(1) सी.के. मैथ्यू - राजीव महर्षि - निहाल चंद गोयल - डी.बी. गुप्ता
(2) राजीव महर्षि - सी.के. मैथ्यू - निहाल चंद गोयल - डी.बी. गुप्ता
(3) निहाल चंद गोयल - सी.के. मैथ्यू - राजीव महर्षि - डी.बी. गुप्ता
(4) राजीव महर्षि - निहाल चंद गोयल - सी.के. मैथ्यू - डी.बी. गुप्ता (1)

44. प्रारम्भिक शिक्षा से तात्पर्य कक्षा ..... की शिक्षा से है।
(1) 1 से 5 (2) 1 से 6
(3) 1 से 8 (4) 1 से 10 (3)

45. नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का माध्यम निम्न में से किसे रखा गया है?
(1) अंग्रेजी (2) हिन्दी
(3) संस्कृत (4) मातृभाषा/स्थानीय भाषा (4)

46. अगर अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित सीटों के लिए समुचित मात्रा में आवेदन प्राप्त ना हों, तो उन्हें ..... वर्ग से भरा जा सकता है।
(1) अनुसूचित जाति (2) अनुसूचित जनजाति
(3) अन्य पिछड़ा (4) सामान्य (2)

Bookbaazi.in

47. किस जिले को विशेष रूप से दिव्यांग लोगों के सशक्तीकरण के लिए दिसम्बर, 2022 में पुरस्कृत किया गया था?
(1) बीकानेर (2) जयपुर
(3) सिरोही (4) अलवर (4)

48. राजस्थान के निम्नलिखित में से किस जिले में G 20 अध्यक्षता की पहली शेरपा बैठक दिसम्बर, 2022 में आयोजित की गई थी?
(1) जयपुर (2) जैसलमेर
(3) कोटा (4) उदयपुर (4)

49. कोठारी आयोग के अध्यक्ष थे-
(1) स्वामी रिंह (2) लक्ष्मण सिंह
(3) दातार सिंह (4) प्रभुदान सिंह (*)

50. स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल के संदर्भ में दिये गये कथनों में से कौन-सा कथन गलत है?
(1) ये विद्यालय CBSE से मान्यता प्राप्त हैं।
(2) ये कक्षा 6 से 12 तक के आवासीय अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय हैं।
(3) इन विद्यालयों का संचालन समग्र के तहत राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् (RCSCE) द्वारा किया जाता है।
(4) इन विद्यालयों में सह-शिक्षा (Co-Education) की व्यवस्था है।(2)

51. निर्माण श्रमिकों के बच्चों द्वारा किसी अन्तरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने पर राजस्थान सरकार द्वारा कितनी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है?
(1) ₹ 2 लाख (2) ₹ 1 लाख
(3) ₹ 8 लाख (4) ₹ 11 लाख (1)

52. राजस्थान में मुख्यमंत्री निःशुल्क जाँच योजना ..... को आरम्भ की गई।
(1) 2 अक्टूबर, 2013 (2) 31 अक्टूबर, 2013
(3) 7 अप्रैल, 2013 (4) 1 मई, 2013 (3)

53. स्वतन्त्रता सेनानी केसरी सिंह बारहठ का पैनोरमा कहाँ बनेगा?
(1) रूणीचा, जैसलमेर (2) बसवा, दौसा
(3) शाहपुरा, भीलवाड़ा (4) तिजारा, अलवर (3)

54. 25% आरक्षित सीटों में से ..... सीट अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अतिरिक्त असुविधाग्रस्त समूह वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित की गयी हैं।
(1) 7.5% (2) 1.5%
(3) 2.5% (4) 16% (4)

55. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य की कार्यपालिका शक्ति के बारे में है?
(1) 154 (2) 156
(3) 158 (4) 159 (1)

56. ..... मेधावी छात्रा स्कूटी योजना राजस्थान में शिक्षा को सशक्त कर रही है।
(1) इंदिरा गांधी (2) सशक्त नारी
(3) सावित्री देवी फुले (4) कालीबाई भील (4)

57. संगीत नाटक अकादमी ने सरताज नारायण माथुर को ..... में योगदान के लिए पुरस्कृत किया है।
(1) लोक संगीत (2) सितार वादन
(3) रंगमंच एवं अभिनय (4) तबला (3)

58. भारत और फ्रांस के मध्य एक संयुक्त वायु सेना अभ्यास जिसे ..... के नाम से जाना जाता है, 26 अक्टूबर, 2022 से जोधपुर में आयोजित किया गया।
(1) वायु शक्ति (2) मित्र शक्ति
(3) विजय प्रहार (4) गरुड़ (4)

59. विश्वामित्र दाधीच ..... के क्षेत्र में अपने योगदान के लिये प्रसिद्ध हैं।
(1) संगीत (2) अभिनय
(3) चित्रकला (4) साहित्य (4)

60. हवामहल की तीसरी मंजिल का नाम है-
(1) रतन मंदिर (2) विचित्र मंदिर
(3) शरद मंदिर (4) प्रकाश मंदिर (2)

61. नई शिक्षा नीति, 2020 में स्कूल शिक्षा में 10+2 पैटर्न के स्थान पर इनमें से किस पैटर्न को अपनाया गया है?
(1) 4+3+3+5 (2) 5+3+3+4
(3) 4+5+3+3 (4) 3+3+4+5 (2)

62. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?
(1) कन्हैयालाल बागल हवेली- चूरू
(2) निहाल टॉवर- धौलपुर
(3) घोड़ा पहाड़- झुंझुनूँ
(4) हजरत कमरुद्दीन शाह की दरगाह- नागौर (4)

63. निम्नलिखित में से कौन-सा एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित नहीं है?
(1) राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम-I
(2) राजस्थान मध्यम नगरीय क्षेत्र विकास परियोजना
(3) राजस्थान राज्य राजमार्ग निवेश कार्यक्रम प्रोजेक्ट- II
(4) राजस्थान राज्य राजमार्ग विकास कार्यक्रम-II (4)

64. निम्नलिखित में से किसे एथलेटिक्स श्रेणी में प्रथम महाराणा प्रताप पुरस्कार 1982-83 से सम्मानित नहीं किया गया था?
(1) गोपाल सैनी (2) राजकुमार अहलावत
(3) हामिदा बानो (4) राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (4)

65. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की स्थापना कब की गयी थी?
(1) 1952 (2) 1953
(3) 1954 (4) 1955 (1)

66. निम्नलिखित में से योगरूढ़ शब्द का उदाहरण कौन-सा है?
(1) उपकार (2) घुड़सवार
(3) आगबबूला (4) एकदंत (4)

67. निम्नलिखित में से क्रिया के विषय में कौन-सा कथन गलत है?
(1) क्रिया से काम के करने या होने का बोध होता है।
(2) क्रिया एक अविकारी शब्द है।
(3) क्रियाएँ धातुओं, संज्ञा या विशेषण शब्दों से भी बनती है।
(4) रचना की दृष्टि से क्रिया के अकर्मक और सकर्मक दो भेद होते हैं।(2)

68. निम्नलिखित में से किस युग्म में विलोम का सही प्रयोग नहीं है?
(1) जंगम - स्थावर (2) कोमल - कठोर
(3) गरल - विष (4) उत्कर्ष - अपकर्ष (3)

Bookbaazi.in

69. 'वह आम को खा रहा है।' वाक्य में अशुद्धि है-
(1) लिंग संबंधी (2) कारक संबंधी
(3) वचन संबंधी (4) क्रिया संबंधी (2)

70. किस वाक्य में उद्धरण चिह्न का प्रयोग हुआ है?
(1) माँ ने कहा- बेटा उन्नति करो
(2) वाह! कितना सुन्दर दृश्य है
(3) 'कामायनी' जयशंकर प्रसाद की सर्वश्रेष्ठ कृति है।
(4) साकेत : एक अध्ययन (3)

71. 'प्रभा एक सुशील कन्या है' वाक्य में विशेष्य है-
(1) सुशील (2) प्रभा
(3) कन्या (4) एक (*)

72. निम्नलिखित में से भाषा की लघुत्तम लिखित इकाई है-
(1) ध्वनि (2) पद
(3) शब्द (4) वर्ण (4)

73. निम्नलिखित में से किस विकल्प में मुहावरा और उसका अर्थ सुमेलित नहीं है?
(1) अंगारों पर पैर रखना - जोखिम मोल लेना।
(2) कलेजे पर साँप लोटना - नफरत करना।
(3) नब्ज पहचानना - स्वभाव जानना।
(4) देवता कूच करना - घबरा जाना। (2)

74. वर्तनी की दृष्टि से कौन-से समूह में सभी शब्द शुद्ध हैं?
(1) आंसू खंबा, निशंग (2) वृद्धि योद्धा, सामर्थ्य
(3) वयंग, ऊंचा, निमित्त (4) कनिष्ट, उज्यनी, दांत (2)

75. निम्नलिखित वर्णों को उनके उच्चारण स्थान से सुमेलित कीजिए-

| | | | |
|---|---|---|---|
| a. | क | i. | दन्त |
| b. | त | ii. | तालु |
| c. | न | iii. | कण्ठ |
| d. | श | iv. | नासिका |

कूट: a b c d
(1) i ii iii iv
(2) i iii iv ii
(3) iii i iv ii
(4) ii iv i iii (3)

**निर्देश: निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्न के उत्तर दीजिए:**
**( प्रश्न क्रमांक 76 से 78 )**

चंचल पग दीपशिखा के घर
गृह, मग वन में आया वसंत।
सुलगा फाल्गुन का सूनापन
सौन्दर्य शिखाओं में अनंत
सौरभ शीतल की ज्वाला से
फैला उर-उर में मधुर दाह
आया बसन्त, भर पृथ्वी पर
स्वर्गिक सुन्दरता का प्रवाह
कलि के पलकों में मिलन स्वप्न
अलि के अंतर में प्रणय गान
लेकर आया, प्रेमी वसंत
आकुल जड़-चेतन स्नेह प्राण!

76. धरती पर स्वर्ग जैसा सौन्दर्य कब होता है?
(1) फाल्गुन में (2) वसंत में
(3) चैत्र में (4) होली आने पर (2)

77. 'सौरभ शीतल' से क्या अभिप्राय है?
(1) फाल्गुन के सूनेपन से (2) धरती के सौन्दर्य से
(3) सुगंधित वातावरण से (4) जड़-चेतन से (3)

78. 'अलि' का पर्यायवाची है-
(1) मधुमास (2) वासव (3) माधव (4) मधुप (4)

79. 'अपने से बड़ों का आदर करना उचित है।' वाक्य में रेखांकित शब्द कौनसा सर्वनाम है?
(1) निश्चयवाचक सर्वनाम (2) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(3) संबंधवाचक सर्वनाम (4) निजवाचक सर्वनाम (4)

80. 'अंत:स्थ' व्यंजन नहीं है-
(1) य (2) र (3) ल (4) ब (4)

81. 'मतैक्य' शब्द का सही संधि-विच्छेद है-
(1) म + ऐक्य (2) मति + एक्य
(3) मत + ऐक्य (4) मत + एक्य (3)

82. 'हरकत' का अनेकार्थक शब्द समूह है-
(1) गति, चेष्टा (2) दीन, निकृष्ट
(3) इज्जत, अभिमान (4) प्राण, जीवन (1)

83. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द जातिवाचक संज्ञा से निर्मित भाववाचक संज्ञा नहीं है?
(1) शठता (2) बन्धुत्व
(3) पशुता (4) कंजूसी (*)

84. निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द कौन-सा है?
(1) प्रदर्शिनी (2) प्रवृत्त (3) दधीचि (4) ज्येष्ठ (1)

**निर्देश:** निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न का उत्तर दीजिए-

सुख-दुख में मुस्काना धीरज से रहना,
वीरों की माता हूँ वीरों की बहना।
मैं वीर नारी हूँ
साहस की बेटी,
मातृभूमि-रक्षा को
वीर सजा देती।
आकुल अंतर की पीर राष्ट्र हेतु सहना,
वीरों की माता हूँ वीरों की बहना।
मात-भूमि जन्म-भूमि
राष्ट्र-भूमि मेरी,
कोटि-कोटि वीर पूत
द्वार-द्वार दे री।
जीवन-भर मुस्काए भातर का अँगना,
वीरों की माता हूँ वीरों की बहना।

85. भारत का अँगना कब तक मुस्कराए?
(1) पल-भर (2) जीवन-भर
(3) उम्रदर (4) मुट्ठी-भर (2)

Bookbaazi.in

86. 'एक देश से दूसरे देश में माल भेजना' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-
(1) आयात (2) यांत्रिकी
(3) भारोपीय (4) निर्यात (4)

87. 'फारसी शब्द' नहीं है-
(1) आबरू (2) आवारा
(3) इलाज (4) चश्मा (3)

88. निम्नलिखित में से जातिवाचक संज्ञा से बना भाववाचक संज्ञा शब्द कौन-सा है?
(1) बुढ़ापा (2) मिठास
(3) सजावट (4) ममता (1)

89. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।
(1) बंदूक एक बहुत उपयोगी शस्त्र है।
(2) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।
(3) एक गाय, दो घोड़े और एक बकरी मैदान में चर रही हैं।
(4) काशी सदा से भारतीय संस्कृति का केन्द्र रहा है। (3)

90. वर्तनी की दृष्टि से अशुद्ध शब्द है-
(1) बूढ़ा (2) रोड
(3) बड़ाई (4) सोड़ा (4)

91. लक्षणा शब्द शक्ति के कौन-से भेद हैं?
(1) रूढ़ा प्रयोजनवती (2) शाब्दी, आर्थी
(3) प्रयोजनवती, व्यंजना (4) अत्युक्ति, आर्थी (1)

92. संबंधबोधक अव्यय प्रयुक्त हुआ है-
(1) जल के बिना जीवन संभव नहीं है।
(2) वह थोड़ा ही चल सकी।
(3) कमला ऊपर बैठी है।
(4) वह ईमानदार से काम करता है। (*)

93. 'AREA' अंग्रेजी शब्द के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द है-
(1) अंचल (2) क्षेत्र
(3) खण्ड (4) मंडल (2)

94. 'स्त्रीलिंग' शब्द नहीं है-
(1) चट्टान (2) चन्दन
(3) चपला (4) चमक (2)

95. निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य का उदाहरण छाँटिए-
(1) हम खाना खा चुके।
(2) जो कवि लोकप्रिय होता है, उसका सम्मान सभी करते हैं।
(3) अच्छे लड़के परिश्रमी होते हैं।
(4) वह अस्वस्थ था और इसलिए परीक्षा में सफल न हो सका। (2)

96. 'गत-गति' का क्रमशः सही अर्थ प्रकट करने वाला शब्द युग्म है-
(1) चक्र - चाल (2) बीता हुआ - चाल
(3) गूढ़ - बीता हुआ (4) मापक - नक्षत्र (2)

97. 'सोना, धतूरा, गेहूँ' किस शब्द के अनेकार्थी हैं?
(1) इंदु (2) पिंगल
(3) कनक (4) धान (3)

98. निम्नलिखित में से योगरूढ़ शब्द कौन-सा है?
(1) आकाश (2) त्रिनेत्र
(3) विद्यालय (4) पत्थर (2)

99. निम्नलिखित में से स्त्रीलिंग शब्द नहीं है-
(1) युवा (2) गुणवती
(3) डिब्बा (4) नेत्री (*)

100. 'आँखे खुलना' मुहावरे का अर्थ है-
(1) ध्यान रखना (2) इच्छा पूरी होना
(3) धोखा खाना (4) सजग होना (4)

101. प्रत्यय से (निर्मित) बने शब्द का चयन कीजिए-
(1) झगड़ालू (2) उपग्रह
(3) परिपूर्ण (4) भरपूर (1)

102. निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य का चयन कीजिए-
(1) वह साड़ी खरीदने बाजार गई।
(2) जब मैं स्टेशन पर पहुँचा गाड़ी आ चुकी थी।
(3) हम घर से बाहर निकले और बारिश होने लगी।
(4) विद्वान मनुष्य का सभी सम्मान करते हैं। (3)

103. 'पक्षी' शब्द का पर्यायवाची है-
(1) द्विज (2) सोम
(3) शिलीमुख (4) नभ (1)

104. किस समूह में 'अश्व' के सभी पर्याय हैं?
(1) घोटक, सोम, कानन (2) पुरंदर, आम्र, विभु
(3) घोड़ा, तुरंग, हय (4) तुरंग, घोटक, कंज (3)

105. 'SUMMON' अंग्रेजी शब्द के लिए हिन्दी पारिभाषिक शब्द है-
(1) बुलाना (2) विसर्जित करना
(3) स्थगित करना (4) भंग करना (1)

106. 'तत्सम' शब्द का चयन कीजिए-
(1) काजल (2) घोड़ा
(3) अमृत (4) गेहूँ (3)

107. शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए-
(1) वह पानी से पौधों को सींचता है।
(2) सभी वर्ग के लोग उपस्थित थे।
(3) उसका कद मुझसे बड़ा है।
(4) जो लोग अन्दर आना चाहते हैं, वे आ सकते हैं। (4)

108. क्रिया-विशेषण शब्द का चयन कीजिए-
(1) गरम (2) प्रतिदिन
(3) रमेश (4) पेड़ (2)

109. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द-युग्म सही है?
(1) अंय-जल, अंयु-माता
(2) अविलम्य-सहारा, अवलम्ब-शीघ्र
(3) आकार-खान, आकर-रूप
(4) कृति-रचना, कृती-रचनाकार (4)

Bookbaazi.in

110. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य कौन-सा है?
(1) सारी दुनिया भर में यह बात फैल गई।
(2) शायद वह जरूर जाएगा।
(3) किसी और से परामर्श लीजिए।
(4) सप्रमाण सहित स्पष्ट कीजिए। (3)

111. 'रत-रति' युग्म-शब्द का सही अर्थ है-
(1) लीन-प्रेम (2) प्रेम-लीन
(3) लय-राग (4) राग-लय (1)

112. अंतस्थ व्यंजन कौन-सा है?
(1) य. (2) ख
(3) च (4) क्ष (1)

113. निम्नलिखित में से विलोम शब्द का असंगत युग्म छाँटिए-
(1) अर्वाचीन - प्राचीन
(2) इति - अथ
(3) उपकार - अपकार
(4) अनुराग - राग (4)

114. 'हमने एक शेर देखा' वाक्य में काल की चयन कीजिए-
(1) सामान्य भूतकाल (2) सामान्य वर्तमान
(3) सामान्य भविष्यत् (4) संभाव्य वर्तमान (1)

115. 'लोकोत्तर' में कारक की दृष्टि से कौन-सा तत्पुरुष समास है?
(1) करण तत्पुरुष (2) अपादान तत्पुरुष
(3) सम्प्रदान तत्पुरुष (4) अधिकरण तत्पुरुष (2)

116. 'निवारण' शब्द में उपसर्ग है-
(1) निः (2) नी
(3) निर् (4) नि (4)

117. 'जो प्रमाण से सिद्ध हो सके' वाक्यांश के लिए एक शब्द है-
(1) प्रयोजनीय (2) अप्रामाणिक
(3) अप्रमेय (4) प्रमेय (4)

118. किस वाक्य में अकर्मक क्रिया है?
(1) आप आज शाम को क्या कर रहे हैं?
(2) बच्चा रोता है।
(3) पूजा कपड़े धो रही है।
(4) मोहन सितार बजा रहा है। (2)

119. 'मन की पवित्रता महत्त्वपूर्ण है' अर्थ को प्रकट करने वाली लोकोक्ति है-
(1) हाथ सुमरिनी बगल कतरनी।
(2) जिन खोजा तिन पाइयाँ, गहरे पानी पैठ।
(3) मन चंगा तो कठौती में गंगा।
(4) होनहार विरवान के होत चीकने पात। (3)

120. निम्नलिखित में से तत्सम-तद्भव का असंगत युग्म कौन-सा है?
(1) अरिष्ठ - रीठा (2) क्रोश - कोण
(3) घोटक - घोड़ा (4) काष्ठ - काठ (2)

121. किस शब्द में 'अव्ययीभाव' समास है?
(1) यशप्राप्त (2) आजीवन
(3) महादेव (4) पंचतंत्र (2)

122. 'सबकी मति भ्रष्ट होना' अर्थ को प्रकट करने वाला मुहावरा है-
(1) गर्दन पर छुरी फेरना (2) खटाई में पड़ना
(3) कुएँ में ही भाँग पड़ना (4) गूँगे का गुड़ (3)

123. 'सूर्य' का पर्यायवाची है-
(1) अंशु (2) प्रकाश
(3) सविता (4) रश्मि (3)

124. 'छाती पर पत्थर रखना' मुहावरे का अर्थ है-
(1) हार मानना।
(2) किसी के धन पर लुभा जाना।
(3) किसी कठिन कार्य में सफलता प्राप्त करना।
(4) धैर्यपूर्वक कष्ट सहन करना। (4)

125. पुरुषवाचक सर्वनाम के भेदों की संख्या कितनी है?
(1) दो (2) तीन
(3) पाँच (4) आठ (2)

126. निम्नलिखित में से कौन-सा गुण व्याख्यान विधि का नहीं है?
(1) यह मनोवैज्ञानिक विधि है।
(2) यह विधि उच्च कक्षाओं के लिए उपयोगी है।
(3) यह कम खर्चीली विधि है।
(4) यह कम समय में अधिक ज्ञान प्रदान करने वाली विधि है। (1)

127. कविता शिक्षण की विधि नहीं है-
(1) गीत प्रणाली (2) शब्दार्थ-कथन-प्रणाली
(3) खण्डान्वय प्रणाली (4) सूत्र प्रणाली (4)

128. भाषायी कौशल का सही क्रम है-
(1) सुनना, लिखना, बोलना, पढ़ना
(2) सुनना, पढ़ना, लिखना, बोलना
(3) सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
(4) सुनना, पढ़ना, बोलना, लिखना (3)

129. हिन्दी शिक्षण में शाखीय अभिक्रमित अनुदेशन की निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता नहीं है?
(1) पदों का आकार अपेक्षाकृत बड़ा होता है।
(2) इसमें विद्यार्थी अनुक्रिया के रूप में सही विकल्प का चयन करता है।
(3) नवीनता व विविधता पायी जाती है।
(4) यह छोटी कक्षाओं हेतु अधिक उपयोगी है। (4)

130. भाषा शिक्षण में दृश्य-श्रव्य साधनों का मुख्य प्रयोजन है-
(1) शिक्षक के कार्य को सरल बनाना।
(2) विद्यार्थियों की विभिन्न इन्द्रियों को क्रियाशील बनाना।
(3) छात्रों को नवीन उपकरणों की जानकारी देना।
(4) कक्षा को नियन्त्रित रखना। (2)

131. निदानात्मक परीक्षण का मुख्य उद्देश्य है-
(1) छात्र की कमजोरियों का पता लगाना।
(2) विद्यार्थियों के उपलब्धि स्तर को जाँचना।
(3) विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि विकसित करना।
(4) मूल्यांकन करना। (2)

Bookbaazi.in

132. निदानात्मक परीक्षाएँ ली जाती हैं-
(1) प्रतिभाशाली छात्रों का पता लगाने के लिए।
(2) छात्रों की कमजोरी का पता लगाने के लिए।
(3) छात्रों के मानसिक स्तर को जाँचने के लिए।
(4) मानवीय मूल्यों का पता लगाने के लिए। (2)

133. कार्ड पर लिखे शब्दों का चित्रों के साथ मिलान करने का कार्य किस विधि में किया जाता है?
(1) साहचर्य विधि (2) माण्टेसरी विधि
(3) कहानी विधि (4) ध्वनि साम्य विधि (2)

134. निम्नलिखित में से असत्य कथन है-
(1) मापन एकांगी, मूल्यांकन बहुमुखी है।
(2) मापन का क्षेत्र सीमित, मूल्यांकन का विस्तृत है।
(3) मापन परिमाणात्मक अभिव्यक्ति, मूल्यांकन परिमाणात्मक तथा गुणात्मक अभिव्यक्ति है।
(4) मापन के अभाव में मूल्यांकन का कार्य वैज्ञानिक है। (4)

135. मूल्यांकन का संरचनात्मक तथा योगात्मक रूप में वर्गीकरण किसने किया?
(1) मिकैल स्क्रीवेन (2) स्किनर
(3) आर.ए. शर्मा (4) डी.एन. श्रीवास्तव (1)

136. किसी समूह में व्यक्ति की लोकप्रियता ज्ञात करने की सर्वोत्तम व्यक्तित्व आकलन विधि है-
(1) अवलोकन (2) समाजमिति
(3) प्रश्नावली (4) साक्षात्कार (2)

137. "शिक्षा मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की वह शाखा है, जो शिक्षण व सीखने से संबंधित है।" यह कथन दिया गया है-
(1) वुडवर्थ द्वारा (2) स्किनर द्वारा
(3) सिम्पसन द्वारा (4) पावलॉव द्वारा (2)

138. "एक आठ वर्षीय बालक अपने छोटे भाई की तरह घुटने चलता है।" यह उदाहरण है-
(1) प्रतिगमन (2) दमन
(3) युक्तिकरण (4) क्षतिपूर्ति (1)

139. स्पीयरमैन की अवधारणा के अनुसार 'g' इंगित करता है-
(1) समूह बुद्धि (2) आनुवंशिक बुद्धि
(3) सामान्य बुद्धि (4) श्रेणीगत बुद्धि (3)

140. नेहा नवीनतम चलचित्र 'दृश्यम-2' देख रही है क्योंकि नायक व उसके परिवार की स्थिति को जानने हेतु सब्र कर पा रही है। यह उत्तम उदाहरण है-
(1) आंतरिक अभिप्रेरणा का
(2) बाह्य अभिप्रेरणा का
(3) दोनों आंतरिक व बाह्य अभिप्रेरणा का
(4) ना आंतरिक ना ही बाह्य अभिप्रेरणा का (1)

141. किसी बालक के व्यक्तित्व के आकलन हेतु निम्न में से कौन-सा परीक्षण सर्वाधिक उपयुक्त है?
(1) बालक अन्तर्बोध परीक्षण
(2) प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण
(3) शब्द सहचर्य परीक्षण
(4) वाक्य पूर्ति परीक्षण (1)

142. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
(1) विकास की प्रत्येक अवस्था के अपने खतरे हैं।
(2) विकास लम्बवत् सीधा न होकर वर्तुलाकार होता है।
(3) विकास सामान्य से विशिष्ट की ओर अग्रसर होता है।
(4) विकास की गति की दर एक-सी रहती है। (4)

143. 25 वर्षीय लड़का जिसकी मानसिक आयु 16 है का आई.क्यू. (I.Q.) होगा-
(1) 156 (2) 100 (3) 64 (4) 48 (3)

144. जिस प्रक्रिया में व्यक्ति दूसरों के व्यवहार को देखकर सीखता है न कि प्रत्यक्ष अनुभव के, को कहा जाता है-
(1) अनुबंधन (2) सामाजिक अधिगम
(3) प्रायोगिक अधिगम (4) आकस्मिक अधिगम (2)

145. अदिति प्रात:कालीन कक्षा में जाने के कारण नाश्ता कभी-कभी कर पाती है। पेट खाली रहने व पेट में गड़गाहट होने के कारण उसे खाने की इच्छा होती है। यह निम्नलिखित में से किसका उदाहरण है?
(1) अभिप्रेरणा (2) अन्तर्नोद
(3) आवश्यकता (4) बाह्य अभिप्रेरणा (2)

146. निम्नलिखित में से कौन-सा सुरक्षा प्रक्रिया से सम्बन्धित नहीं है?
(1) एन्क्रिप्शन (Encryption)
(2) डिक्रिप्शन (Decryption)
(3) डिजिटल सिग्नेचर
(4) ई-कैश (e-cash) (*)

147. अनसॉलिसिटेड ई-मेल को क्या कहते हैं?
(1) स्पैम (2) यूज़नेट
(3) फ्लेमिंग (4) न्यूज ग्रुप (1)

148. ..... एक तकनीक है जिसके द्वारा डेटा वेयरहाउस में से सामरिक जानकारियों को निकाला जा सकता है।
(1) डेटा माइनिंग (2) डेटा बेसेस
(3) डेटा वेयरहाउसिंग (4) डेटा सपोर्ट सिस्टम (1)

149. COBOL में 'CO' क्या दर्शाता है?
(1) कम्प्यूटर ऑब्जेक्ट (2) कम्प्यूटर ओरिएंटेड
(3) कॉमन ऑब्जेक्ट (4) कॉमन ओरिएंटेड (*)

150. गैरकानूनी प्रतिलिपि और सॉफ्टवेयर का वितरण करना कहलाता है-
(1) स्क्रिप्टिंग (2) फायरवॉल
(3) स्पूफिंग (4) सॉफ्टवेयर पायरेसी (4)

ज्ञान अनन्त™

Bookbaazi.in

# हिन्दी वर्णमाला ज्ञान

मनुष्य अपने स्वयं के भावों एवं विचारों को अभिव्यक्त करने तथा दूसरों के भावों एवं विचारों को समझने के लिए भाषा का प्रयोग करता है। किसी भाषा की वह लघुतम इकाई जिसके टुकड़े (खण्ड) नहीं किये जा सकते, वर्ण कहलाती है। जैसे- अ, आ, इ, ई, क्, ख, ग्, आदि। इन सभी ध्वनियों के खण्ड नहीं किये जा सकते।

इस प्रक्रिया को 'आसमान' शब्द के माध्यम से समझा जा सकता है-

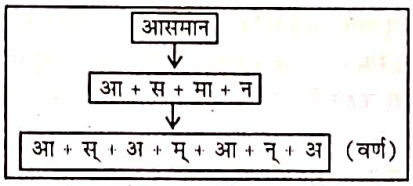


इस प्रकार 'आसमान' शब्द में सात वर्ण हैं। इन वर्णों के और अधिक टुकड़े करना संभव नहीं है।

**कामताप्रसाद गुरु** के अनुसार "लिखित भाषा में मूल ध्वनियों के लिए जो चिह्न मान लिये गये हैं, वे वर्ण कहलाते हैं।"

**वर्ण एवं ध्वनि में अंतर-**

किसी भाषा की सबसे छोटी मौखिक (उच्चरित) इकाई **ध्वनि** कहलाती है तथा ध्वनि का लिखित रूप **वर्ण** कहलाता है अर्थात् लिखित भाषा की सबसे छोटी इकाई **वर्ण** कहलाती है। ★★★ REET Mains 3rd Gr., L-II 2022-23

**वर्ण से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदु-**

1. वर्ण किसी भाषा की मूल ध्वनियाँ हैं।
2. वर्णों के सार्थक योग से शब्द बनते हैं, शब्दों के सार्थक योग से वाक्य एवं वाक्यों के योग से भाषा बनती है।
3. वर्ण को कभी-कभी 'अक्षर' भी कह दिया जाता है; किंतु मूलत: 'वर्ण' एवं 'अक्षर' में अंतर होता है। वर्ण में केवल एक ही ध्वनि होती है जबकि 'अक्षर' में एकाधिक ध्वनियाँ हो सकती हैं।

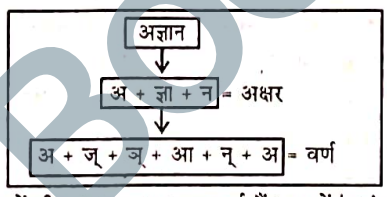


'अज्ञान' शब्द में तीन अक्षर तथा छह वर्ण हैं। इसमें 'अ' एक अक्षर भी है एवं वर्ण भी।

**अक्षर-** जिस ध्वनि अथवा ध्वनि-समूह का उच्चारण एक श्वासाघात (एक ही श्वास) में हो, उसे अक्षर कहते हैं।

- **वर्णमाला:** किसी भाषा के वर्णों को एक साथ क्रमबद्ध एवं व्यवस्थित तरीके से लिखना वर्णमाला कहलाती है।

**कामताप्रसाद गुरु** के शब्दों में, 'वर्णों के समुदाय को वर्णमाला कहते हैं।'

- **वर्णों का वर्गीकरण:** हिंदी वर्णमाला में कुल 44 मूलवर्ण हैं जिनका वर्गीकरण इस प्रकार किया जा सकता है-

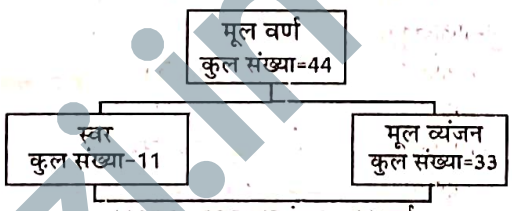


11 स्वर + 33 मूल व्यंजन = 44 वर्ण

हिंदी वर्णमाला-

| | |
|---|---|
| स्वर | अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ |
| व्यंजन | क्, ख्, ग्, घ्, ङ्, च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्, त्, थ्, द्, ध्, न्, प्, फ्, ब्, भ्, म्, य्, र्, ल्, व्, श्, ष्, स्, ह् |

**ध्यान रहे-** हिंदी वर्णमाला में मूल वर्णों की कुल संख्या-44 है। इस वर्णमाला में चार संयुक्त व्यंजन, दो उत्क्षिप्त व्यंजन, एक विशिष्ट व्यंजन, अनुस्वार (ं) एवं विसर्ग (:) जोड़ दिये जाने पर यह संख्या 53 हो जाती है।

| | |
|---|---|
| संयुक्त व्यंजन | क्ष, त्र, ज्ञ, श्र |
| उत्क्षिप्त व्यंजन | ड़, ढ़ |
| विशिष्ट व्यंजन | ळ |
| अनुस्वार | (ं) |
| विसर्ग | (:) |

हिंदी वर्णमाला के वर्तमान स्वरूप में कुछ और वर्णों का आगमन हुआ है, जो इस प्रकार है-

अंग्रेजी का 'ऑ' स्वर। यह 'आ' एवं 'ओ' के बीच की ध्वनि है।
**जैसे-** कॉलेज, डॉक्टर, ऑफिस, हॉस्पिटल।

अरबी-फ़ारसी एवं अंग्रेजी से आगत व्यंजन-क़, ख़, ग़, ज़, फ़।

न, म, र, ल, के महाप्राण रूप - न्ह, म्ह, र्ह, ल्ह।

- हिंदी वर्णमाला के उपर्युक्त वर्णों का विस्तृत विवेचन इस प्रकार है-

## स्वर

- वे वर्ण जो बिना दूसरे वर्ण की सहायता से बोले जाते हैं अथवा जिनके उच्चारण में हवा बिना किसी बाधा (निर्बाध) के मुँह या नाक से निकल जाती है, उन्हें स्वर कहते हैं।

हिंदी वर्णमाला में 'इ, ई, ऋ' स्वर स्त्रीलिंग हैं तथा अन्य सभी स्वर पुल्लिंग हैं।

**हिंदी के स्वर एवं उनकी मात्राएँ इस प्रकार हैं-**

| स्वर | अ | आ | इ | ई | उ | ऊ | ऋ | ए | ऐ | ओ | औ | कुल = 11 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मात्रा | - | ा | ि | ी | ु | ू | ृ | े | ै | ो | ौ | कुल = 10 |
| मात्रायुक्त व्यंजन | क | का | कि | की | कु | कू | कृ | के | कै | को | कौ | |

Bookbaazi.in

नोट-

- 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती। यह जिस व्यंजन के साथ जुड़ता है, उसका हलंत (्) हट जाता है। जैसे- क् + अ = क।
- 'ऑ' स्वर की मात्रा 'ॉ' होती है।
  जैसे-क् + ऑ = कॉ।
- उ, ऊ की मात्राएँ 'र्' के साथ इस रूप में प्रयुक्त होती हैं-
  र् + उ = रु।
  र् + ऊ = रू।
- 'ऋ' मूलत: संस्कृत का स्वर है जिसका उच्चारण वर्तमान हिंदी में 'रि' की तरह होता है।

◆ **स्वरों का वर्गीकरण:**

स्वरों का वर्गीकरण मुख्यत: दो आधारों पर किया जाता है-

1. प्रयत्न के आधार पर
2. उच्चारण स्थान के आधार पर।

**नोट- कामताप्रसाद गुरु** ने उत्पत्ति, जाति एवं अनुनासिकता के आधार पर भी स्वरों का वर्गीकरण किया है। यहाँ अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से उत्पत्ति के आधार पर स्वरों का वर्गीकरण सबसे प्रारम्भ में दिया जा रहा है। उसके बाद प्रयत्न एवं उच्चारण स्थान के आधार पर वर्गीकरण तथा सबसे अंत में जाति एवं अनुनासिकता के आधार पर स्वरों का वर्गीकरण दिया जा रहा है-

◆ **उत्पत्ति के आधार पर स्वरों का वर्गीकरण:** उत्पत्ति के आधार पर स्वर दो प्रकार के होते हैं-

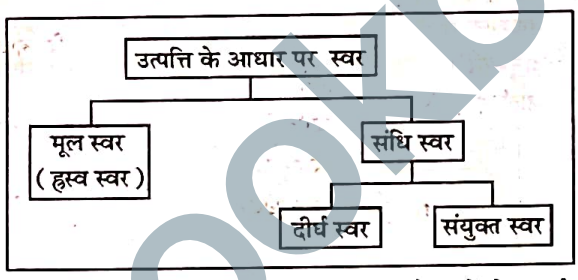


1. **मूल स्वर-** जिन स्वरों की उत्पत्ति किन्हीं दूसरे स्वरों से न हुई हो, उन्हें मूल या ह्रस्व स्वर कहते हैं।
   मूल स्वर चार होते हैं- अ, इ, उ, ऋ।
2. **संधि स्वर-** जिन स्वरों की उत्पत्ति मूल स्वरों के योग से हुई हो, उन्हें संधि स्वर कहते हैं। जैसे- आ, ई, ए, ऐ, ओ, औ।
   संधि स्वर दो प्रकार के होते हैं-

(i) **दीर्घ स्वर-** समान मूल स्वरों के योग से उत्पन्न नये स्वर दीर्घ स्वर कहलाते हैं। जैसे-

| |
|---|
| अ + अ = आ |
| इ + इ = ई |
| उ + उ = ऊ |

(ii)**संयुक्त स्वर-** भिन्न-भिन्न (असमान) स्वरों के योग से उत्पन्न नये स्वर, संयुक्त स्वर कहलाते हैं। **भोलानाथ तिवारी** ने संयुक्त स्वर को **'संध्याक्षर'** नाम दिया है।

संयुक्त स्वर निम्नलिखित हैं-

| | |
|---|---|
| अ + इ = ए | अ + ए = ऐ |
| अ + उ = ओ | अ + ओ = औ |

◆ **प्रयत्न के आधार पर:**

वर्णों के उच्चारण की रीति (तरीका) **प्रयत्न** कहलाती है। इसमें उच्चारण में लगने वाले समय, ओष्ठाकृति, जिह्वाकृति, मुखाकृति आदि के आधार पर स्वरों का वर्गीकरण किया जाता है-

**उच्चारण में लगने वाले समय ( मात्रा ) के आधार पर-** उच्चारण में लगने वाले समय अथवा कालमान के आधार पर स्वरों के दो भेद किये जा सकते हैं-

1. **लघु स्वर ( एकमात्रिक स्वर )-** जिन स्वरों के उच्चारण में एक मात्रा का समय यानी कम समय लगता है, उन्हें लघु स्वर अथवा एकमात्रिक स्वर कहते हैं। सभी **मूल स्वर** लघु स्वरों की श्रेणी में आते हैं। जैसे- अ, इ, उ, ऋ।
2. **गुरु स्वर ( द्विमात्रिक स्वर )-** जिन स्वरों के उच्चारण में दो मात्रा का समय यानी लघु स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें गुरु स्वर कहते हैं। सभी **संधि स्वर** गुरु स्वरों की श्रेणी में आते हैं। जैसे- आ, ई, ए, ऐ, ओ, औ।

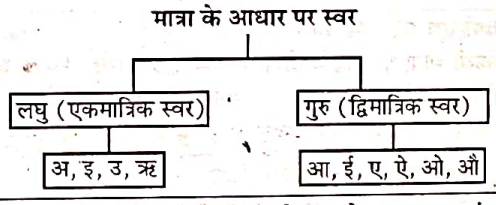


**नोट-** उच्चारण में लगने वाले समय यानी मात्रा के आधार पर संस्कृत में स्वरों का तीसरा भेद भी पाया जाता है जो हिंदी में प्रचलित नहीं है-
**प्लुत स्वर ( त्रिमात्रिक स्वर )-** जिन स्वरों के उच्चारण में तीन मात्रा यानी गुरु स्वर से भी अधिक समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। जैसे- ओउम्

**ध्यान रहे- हिंदी में 'मात्रा' शब्द के दो अर्थ हैं-**
1. स्वरों का रूप- ा, ि, ी, ु, ू, ृ, े, ै, ो, ौ
2. स्वरों के उच्चारण में लगने वाला समय अथवा कालमान

◆ **मुख में जिह्वा की स्थिति के आधार पर-**

इस आधार पर स्वरों के तीन भेद किये गये हैं-

(i) **अग्रस्वर-** जिन स्वरों के उच्चारण में जीभ मुँह में आगे की ओर जाती है, उन्हें अग्रस्वर कहते हैं। **इ, ई, ए, ऐ** अग्रस्वर हैं।

(ii) **मध्य स्वर-** इन स्वरों के उच्चारण में जिह्वा मुख के मध्य भाग में रहती है। हिंदी में एकमात्र **'अ'** स्वर मध्य स्वर है।

(iii) **पश्च स्वर-** जिन स्वरों के उच्चारण में जिह्वा मुँह के पश्च भाग में रहती है, उन्हें पश्च स्वर कहते हैं। **आ, ऑ, उ, ऊ, ओ, औ** पश्च स्वर हैं।

◆ **मुखाकृति के आधार पर:**

मुखाकृति के आधार पर स्वर चार प्रकार के होते हैं-

(i) **संवृत स्वर-** संवृत का अर्थ होता है- बंद।

Bookbaazi.in

# सर्वनाम

◆ भाषा में सुंदरता, संक्षिप्तता लाने एवं पुनरुक्ति दोष से बचने के लिए संज्ञा के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, वे सर्वनाम कहलाते हैं। 'सर्वनाम' का शाब्दिक अर्थ है- सबका नाम अर्थात् सर्वनाम शब्द सबके नामों के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं। जैसे- मोहन आज जयपुर नहीं गया क्योंकि **वह** बीमार है। इस वाक्य में मोहन (संज्ञा) के स्थान पर **वह** (सर्वनाम) शब्द प्रयुक्त हुआ है। इससे संज्ञा की पुनरुक्ति नियंत्रित हुई है। सर्वनाम विकारी शब्द हैं अर्थात् लिंग, वचन, कारक, काल आदि के आधार पर सर्वनाम में परिवर्तन (विकार) होता है। हिंदी में कुल 11 सर्वनाम हैं- मैं, तू, आप, वह, यह, सो, जो, कोई, कुछ, कौन, क्या।

◆ **सर्वनाम की उपयोगिता:**
सर्वनाम भाषा को सरल, सहज, सुंदर एवं आकर्षक बनाते हैं। सर्वनाम के अभाव में अनुच्छेद में बार-बार संज्ञा शब्द प्रयुक्त होंगे, इससे भाषा का सौंदर्य समाप्त हो जाएगा। अतः भाषा में सर्वनामों का अत्यधिक महत्त्व है।

◆ **सर्वनाम के भेद :** हिंदी भाषा में सर्वनाम के छह भेद होते हैं-
1. **पुरुषवाचक** (Personal Pronouns): मैं (हम), तुम (तू, आप), वह (यह), वे
2. **निश्चयवाचक** (Demonstrative Pronouns): यह, ये (निकटवर्ती), वह, वे (दूरवर्ती)
3. **अनिश्चयवाचक** (Indefinite Pronouns): कोई, किसी (प्राणीवाचक), कुछ (अप्राणीवाचक)
4. **प्रश्नवाचक** (Interrogative Pronouns): कौन (प्राणीवाचक), क्या (अप्राणीवाचक), कब, कहाँ, कैसे, किसने
5. **सम्बन्धवाचक** (Relative Pronouns): जो... सो (वह), जिसकी, उसकी
6. **निजवाचक** (Reflexive Pronouns): आप (स्वयं, खुद)

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम**- बोलने वाले, सुनने वाले या किसी अन्य व्यक्ति के लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग होता है, उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। ये तीन प्रकार के होते हैं- **★★★REET Mains 3rd ग्रेड, L-II 2022-23**
   - **उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम** (First Person Pronoun)- जिन सर्वनामों का प्रयोग बोलने वाला या लिखने वाला अपने लिए करता है, उन्हें उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- मैं, मेरी, हम, हमारे, मुझको, हमने, मैंने आदि।
   - **मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम** (Second Person Pronoun)- जिन सर्वनामों का प्रयोग बोलने वाला (वक्ता) या लिखने वाला सुनने वाले या पढ़ने वाले के लिए करता है, उन्हें मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- तू, तुम, आप, तुम्हारा, तुझको, आपने आदि।
   - **अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम** (Third Person Pronoun)- जिन सर्वनामों का प्रयोग वक्ता (बोलने वाला) किसी अन्य व्यक्ति के लिए करता है, उन्हें अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- वह, वे, उसे, उसकी, उन्होंने, उसने, उन्हें, उनका आदि।
     'तू' सर्वनाम का प्रयोग अत्यन्त निकटता या आत्मीयता प्रकट करने के लिए, अपने से आयु व सम्बन्ध में छोटे व्यक्ति के लिए या कभी-कभी तिरस्कार प्रदर्शन करने के लिए एवं ईश्वर के लिए भी किया जाता है।

**उदाहरणार्थ :**
- हे प्रभु! **तू** मेरी प्रार्थना कब सुनेगा?
- अरे नालायक! **तू** अब तक कहाँ था?
- माँ! **तू** क्या कर रही है?

2. **निश्चयवाचक सर्वनाम**- जिन सर्वनाम शब्दों से किसी दूरवर्ती या समीपवर्ती व्यक्तियों, प्राणियों, वस्तुओं और घटना-व्यापार का निश्चित बोध होता है, उन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

**उदाहरणार्थ :**
- ये रहे **वे** जिन्हें तुम ढूँढ़ रहे थे।
- रेखा का विद्यालय **वह** है।
- **यह** अच्छा है, **वह** नहीं।
- इस कलम को देखो, **यह** कितनी सुन्दर है।

दूरवर्ती के लिए 'वह' तथा समीपवर्ती के लिए 'यह' का प्रयोग होता है। इस सर्वनाम को **संकेतवाचक या निर्देशक सर्वनाम** भी कहा जाता है।

3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम**- जिन सर्वनामों से किसी निश्चित पदार्थ अथवा व्यक्ति या घटना का ज्ञान नहीं होता, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। जैसे- कोई, किसी, कुछ आदि।
प्राणियों के लिए 'कोई', 'किसी' सर्वनाम का प्रयोग करते हैं तथा पदार्थों के लिए 'कुछ' का प्रयोग किया जाता है। जैसे-
- तुम **कुछ** खा लो।
- बाहर **कोई** आया है।
- हम **किसी** का कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

4. **सम्बन्धवाचक सर्वनाम**- सम्बन्धवाचक सर्वनाम वे हैं, जो किसी उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम का अन्य संज्ञा या सर्वनाम के साथ सम्बन्ध प्रकट करते हैं। जैसे-
- मेरी **वह** घड़ी खो गई **जो** मुझे जन्मदिन पर मिली थी।
- **जैसा** करोगे **वैसा** भरोगे।
- **जिसकी** लाठी **उसकी** भैंस।
- **जो** परिश्रम करेगा **वह** सफल होगा।
- **जिसको** आपने बुलाया था, **वह** आया है।

5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम**- जिन सर्वनामों से किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, क्रिया-व्यापार आदि के संबंध में प्रश्न का बोध हो, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं। व्यक्ति या प्राणी के संबंध में प्रश्न करते समय 'कौन, किसे, किसने' का प्रयोग किया जाता है, जबकि वस्तु या क्रिया-व्यापार के संबंध में प्रश्न करते समय 'क्या, कब' आदि का प्रयोग किया जाता है। जैसे-
- देखो, बाहर **कौन** आया है?
- तुम **कहाँ** जा रहे हो?
- आप खाने में **क्या** लेंगे?
- तुम विद्यालय **कब** जाओगे?
- जयपुर जाने के लिए **किससे** कहूँ?

6. **निजवाचक सर्वनाम**-निजवाचक सर्वनाम वे हैं जिनका प्रयोग बोलने वाले द्वारा स्वयं अपने लिए किया जाता है, जैसे- स्वयं, खुद, आदि।

**उदाहरण-**
- मैं अपना कार्य **स्वयं** कर लूँगी।
- मैं कार्यालय **अपने-आप** चली जाऊँगी।
- मैं **स्वयं** आ जाऊँगा।
- **अपने** से बड़ों का आदर करना उचित है।

**★★★REET Mains 3rd ग्रेड, L-II 2022-23**

◆ **'आप' सर्वनाम से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदु:**
'आप' सर्वनाम मध्यम पुरुषवाचक, अन्य पुरुषवाचक एवं निजवाचक सर्वनाम में प्रयुक्त होता है-

Bookbaazi.in

1. जब 'आप' सर्वनाम सुनने वाले अथवा पढ़ने वाले के लिए प्रयुक्त होता है, तब वहाँ मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम होता है। जैसे- **आप** जयपुर जाओ।
2. जब 'आप' सर्वनाम आदरसूचक अर्थ में किसी महान व्यक्ति का परिचय देने के लिए किया जाता है, तब वहाँ अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम होता है। जैसे- महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। **आपने** भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
3. जब 'आप' सर्वनाम का प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, तब वहाँ निजवाचक सर्वनाम होता है। जैसे- मैं विद्यालय **अपने-आप** चली जाऊँगी।

◆ **कतिपय सर्वनामों के पुनरुक्ति रूप:** कई बार वाक्य में आवृत्ति अथवा अनेकता का अर्थ प्रकट करने के लिए सर्वनाम शब्दों की पुनरावृत्ति कर दी जाती है। जैसे- **जो - जो** आता जाए, उसे काम बताते जाओ।
**अन्य उदाहरण-** कोई - कोई, किस -किस, कुछ - कुछ, क्या - क्या, अपना - अपना आदि।

कई बार अर्थ में स्पष्टता लाने के लिए सर्वनामों के संयुक्त रूप भी प्रयुक्त किये जाते हैं। जैसे- अजमेर के लिए **कोई-न-कोई** ट्रेन तो मिल ही जाएगी।
**अन्य उदाहरण-** कुछ-न-कुछ, कहीं-न-कहीं, जो-कुछ, जो-कोई, कहीं-कुछ आदि।

◆ **सर्वनाम शब्दों के रूपांतरण के नियम:**

♦ सर्वनाम का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर होता है। अत: किसी भी सर्वनाम शब्द का लिंग और वचन उस संज्ञा के अनुरूप रहेगा जिसके स्थान पर उसका प्रयोग हुआ है।
**राम** और **उसका** बेटा आया था।

♦ सर्वनाम का प्रयोग एकवचन और बहुवचन दोनों में होता है। जैसे- मैं-हम, वह-वे, यह-ये, इसका-इनका।

♦ संबंधकारक के अतिरिक्त अन्य किसी कारक के कारण सर्वनाम शब्द का लिंग परिवर्तन नहीं होता।

| पुल्लिंग | स्त्रीलिंग |
|---|---|
| वह आया। | वह आई। |
| तुम क्या कर रहे हो? | तुम क्या कर रही हो? |
| मैं पढ़ता हूँ। | मैं पढ़ती हूँ। |

उपर्युक्त सारणी में सर्वनामों पर लिंग का कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

♦ आदर के अर्थ में एक व्यक्ति के लिए भी अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम का बहुवचन में प्रयोग होता है। तुलसीदास महान कवि थे, उन्होंने हिंदी साहित्य को महान रचनाएँ प्रदान कीं।

♦ उत्तम पुरुष और मध्यम पुरुष सर्वनाम के बहुवचन रूप का प्रयोग एक व्यक्ति के लिए भी होता है।
- हम आ रहे हैं (मैं आ रहा हूँ)।
- आप अवश्य आना।
- तुम खा सकते हो (तुम का प्रयोग 'तू' के अर्थ में)

♦ मैं, तुम, आप, वह, यह, कौन आदि सर्वनामों का निज-भेद उनके **क्रिया-रूपों** से जाना जाता है।
वह पढ़ रहा है- वह पढ़ रही है।

♦ मुझ, तुझ, तुम, उस, इन आदि सर्वनामों में निश्चयार्थ के लिए 'ई' (ी) जोड़ देते हैं। जैसे- उस (उसी), तुझ (तुझी), तुम (तुम्हीं), इन (इन्हीं)।

## वस्तुनिष्ठ प्रश्न

♦ अनिश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण कौनसा है?
(1) सो (2) कोई
(3) कौन (4) क्या (2)

♦ 'कोई' और 'कुछ' निम्नलिखित में से कौनसा सर्वनाम है?
(1) निजवाचक (2) अनिश्चयवाचक
(3) प्रश्नवाचक (4) निश्चयवाचक (2)

♦ 'किन्हीं' सर्वनाम है-
(1) सम्बन्धवाचक सर्वनाम (2) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(3) निश्चयवाचक सर्वनाम (4) प्रश्नवाचक सर्वनाम (2)

♦ 'मैं आप चला जाऊँगा' इस वाक्य में सर्वनाम है-
(1) प्रश्नवाचक (2) निश्चयवाचक
(3) संबंधवाचक (4) निजवाचक (4)

♦ किस विकल्प में 'निजवाचक' सर्वनाम का प्रयोग नहीं हुआ है?
(1) मैं आप ही चला जाऊँगा।
(2) मैं यह कार्य अपने आप कर लूँगा।
(3) आप कहेंगे तो ही बैठूँगा।
(4) श्याम अपना खाना खुद बना लेता है। (3)

♦ 'मुझे वहाँ जाना है।' वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है-
(1) संज्ञा (2) सर्वनाम
(3) विशेषण (4) समास (2)

♦ "मैं यह काम अपने आप कर सकता हूँ" में सर्वनाम है-
(1) पुरुषवाचक सर्वनाम (2) मध्यम पुरुष सर्वनाम
(3) निजवाचक सर्वनाम (4) संबंधवाचक सर्वनाम (3)

♦ किस वाक्य में मध्यम पुरुष का प्रयोग हुआ है?
(1) आप भला तो जग भला।
(2) यह कार्य मैं आप ही कर लूँगा।
(3) ऐसे समय में आप साथ न दोगे तो और कौन देगा?
(4) अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। (3)

♦ किस वाक्य में पुरुषवाचक सर्वनाम नहीं है?
(1) हम स्कूल जा रहे हैं। (2) उसमें धैर्य की कमी है।
(3) आप यहाँ बैठिए। (4) सामान कौन लाएगा? (4)

♦ अनिश्चयवाचक सर्वनाम से युक्त वाक्य है-
(1) जो पढ़ेगा सो पास हो जाएगा।
(2) कौन जा रहा है?
(3) वह कुछ खा रहा है।
(4) यह मेरी पुस्तक है। (3)

♦ किस वाक्य में 'निजवाचक सर्वनाम' का प्रयोग नहीं हुआ है?
(1) किसान अपने आप में मस्त रहता है।
(2) वे अपने आप चले गए।
(3) वह अपने आपको बहुत होशियार समझता है।
(4) मैं आप लोगों का बहुत आभारी हूँ। (4)

♦ "यह कार्य मैं स्वत: ही कर लूंगा", इस कथन में स्वत: कौनसा सर्वनाम है?
(1) निजवाचक सर्वनाम
(2) पुरुषवाचक सर्वनाम
(3) अनिश्चय वाचक सर्वनाम
(4) सम्बन्ध वाचक सर्वनाम (1)

Bookbaazi.in